



2026:AHC:32446

इलाहाबाद उच्च न्यायालय

रिट-सी संख्या-5847/2026

कमला कांत पटेल और अन्य

.....याचिकाकर्ता

बनाम

उत्तर प्रदेश राज्य और 5 अन्य

.....प्रतिवादी

याचिकाकर्ताओं के अधिवक्ता: हंस राज सिंह, शरद कुमार पटेल

प्रतिवादी के अधिवक्ता: आज़ाद राय, मुख्य स्थायी अधिवक्ता

न्यायालय संख्या- 6

माननीय न्यायमूर्ति प्रकाश पाडिया,

1. मैंने दोनों पक्षों के विद्वान अधिवक्ताओं को सुना और अभिलेखों का अवलोकन किया।
2. इस याचिका में पारित किए जाने वाले आदेश के दृष्टि में रखते हुए, प्रतिवादी/प्रतिवादियों को नोटिस भेजकर और इस याचिका को इस न्यायालय के समक्ष लंबित रखकर कोई लाभ नहीं होगा। हालांकि, यदि प्रतिवादी/प्रतिवादियों को आदेश से असंतुष्टि का अनुभव होता है, को आदेश में संशोधन/परिवर्तन की मांग करने का उनका अधिकार सुरक्षित रखा गया है।
3. इस याचिका में याचिकाकर्ता द्वारा मांगा गया मूल अनुतोष यह है कि प्रतिवादी संख्या 2 को मामला संख्या 26/60 वर्ष 2004-2005, कम्प्यूटरीकृत मामला संख्या टी201602030510447 का शीघ्रता से निर्णय करने का निर्देश दिया जाए।
4. याचिकाकर्ता के अधिवक्ता ने तर्क दिया है कि यद्यपि काफी समय बीत चुका है, किन्तु आज तक इस मामले में कोई अंतिम निर्णय नहीं लिया गया है।
5. मामले के तथ्यों तथा परिस्थितियों को देखते हुए, इस याचिका का निस्तारण करते हुए संबंधित न्यायालय को निर्देश दिया जाता है कि उपरोक्त मामले का निर्णय विधि के अनुसार, अत्यन्त शीघ्रता से तथा अधिमानतः छह माह की अवधि के भीतर करें, किन्तु अनावश्यक स्थगन न किया जाए, जब तक कि कोई विधिक बाधा न हो।

(प्रमोद पाडिया, न्यायमूर्ति)

12 फरवरी, 2026

प्रमोद त्रिपाठी

“अस्वीकरण: अनुवादित निर्णय वादी के समझने हेतु है और इसका किसी अन्य उद्देश्य के लिए प्रयोग नहीं किया जा सकता है। सभी कानूनी और सरकारी उद्देश्यों के लिए, निर्णय का मूल संस्करण ही मान्य होगा।”